संकट मोचन संगीत समारोहः हरि की बांसुरी ने विश्वंभर के पखावज को रिझाया

महावीर का आंगन बना मधुबन

वाराणसी , एजेंसी। संकट मोचन का आंगन तब मधुबन बन गया, जब हरि की बांसुरी कान्हा बनकर विश्वंभर की पखावज रूपी राधा को रिझाने लगी। श्रोता-श्रद्धालु ग्वाल बाल जैसे इस पल के आनंद में डूब गए। इसी भाव के साथ बुधवार को 7:50 बजे 102वें साल के छह दिवसीय संकट मोचन संगीत समारोह का आह्वान हो गया। महावीर के दरबार में सबसे पहले बांसुरी पर राग विहाग गूंजा तो परिसर भर में फैले भक्तों का जमघट आंगन में लग गया।

पखावज की डिमडिमाहट और बांसुरी की धुन में एक खास संवाद चल रहा था, जिसे सुधि श्रोताओं ने बड़े चाव से महसूस किया। पूरे मंदिर परिसर में गूंज रही पं. हरिप्रसाद चौरसिया के बांसुरी की धुन और आलाप लोगों को मंदिर की ओर तेजी से खींच लाई।

प्रस्तुति के दौरान पं. हरि प्रसाद ने तीन बार बांसुरी भी बदली। उनके होठों के कंपन भी सुर बन जा रहे थे। अंत में ओम जय जगदीश हरे... की धुन बजाई तो विदेशी श्रोता भी ताली बजाकर झूमने लगे। समापन के बाद श्रोताओं ने ऊंचे स्वर में हर-हर महादेव का जयघोष कर आभार जताया। दोनों वादकों के साथ बांसुरी पर विवेक सोनार और वैष्णवी जोशी ने मनोहारी संगत की।

पढ़ाई काम आए न आए संगीत काम की चीज: पं. हरिप्रसाद चौरसिया ने कहा कि मैं अगले 200 वर्षों तक यहां पर प्रस्तुति दूंगा। यहां कब से आ रहा हूं ये तो याद ही नहीं है। जीवन में कुछ करें न करें, लेकिन संगीत से नाता जरूर रखें। जीवन में पढ़ाई भले ही काम न आए, लेकिन संगीत और संगत काफी काम आएगा।

संगीत ने ही आज 87 वर्ष की उम्र में मुझे युवा बनाकर रखा है। आज एआई के जमाने में जो संगीतकार पैसे वाले हैं, वो मशीनें भी खरीद लेते हैं और बड़े उपकरण मंगा लेते हैं। गरीब संगीतकारों को आगे नहीं बढ़ाते। हालांकि, एआई से संगीत को फायदा होता दिख रहा है।

नहीं जानता क्या है आज की संगीत विधा: पं. हरिप्रसाद ने कहा कि आज की संगीत विधा को मैं नहीं जानता, जो बचपन से सुना है वही मालूम है। हमारी परंपरा तब तक चलेगी जब तक सूर्य निकलेगा। मेरी पूरी भक्ति यहां पर है। बनारस की तरह से कलाकार पूरे ब्रह्मांड में नहीं है। यहां के मंच में जादू सा है।

शकील बदायूंनी और पंकज उधास की गजल से खुली नींद: आधी रात में जब श्रोताओं की नींद से आंख भारी होने लगी तो छह कलाकारों के साथ चौथी प्रस्तुति लेकर पहुंचे पं. अजय पोहनकर की अलाप और धारा प्रवाह सरगम सुन श्रोता जाग उठे। अजय पोहनकर ने ख्याली आलाप के बाद ध्रुपद अंग में प्रभावी आलाप पर सुर लगाया।

राग आभोगी में ख्याल गायन किया तो दर्शकों की तालियां रुकने का नाम नहीं ले रही थीं। तभी उन्होंने शकील बंदायूनी की लिखी गजल ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया... और पंकज उधास की गजल कैसे बीते दिन-रात प्रभु जी... की प्रस्तुति देकर लोगों को अपना मुरीद कर लिया। तबले पर हारमोनियम पर दिल्ली की पारोमिता मुखर्जी, सारंगी पर गौरी बनर्जी और कोलकाता के समर साहा ने बेजोड़ संगत की।

महंत बोले-हरिप्रसाद के सामने हवा खराब हो गई: प्रस्तुति के बाद महंत प्रो. विश्वंभर नाथ मिश्रा ने कहा कि पंडित जी के साथ पखावज बजाने में मेरी हवा खराब हो गई। इस पर पं. हरिप्रसाद ने कहा कि आज मैं महंत जी की वजह से नर्वस था। मुझे साथ में बांसुरी बजाने का हौसला देने के लिए धन्यवाद।

कभी बनीं मीरा तो कभी मइया यशोदा: संगीत समारोह की दूसरी प्रस्तुति भरतनाट्यम भी भगवान बाल-गोपाल को ही समर्पित रही। बंगलूरू की नृत्यांगना जननी मुरली ने भरतनाट्यम से गंगा स्तुति की। हरि तुम हरो जन की पीर... गीत पर भरतनाट्यम पर जननी कभी यशोदा तो कभी मीरा नजर आईं।

कन्हैया के नटखटपन पर कभी गुस्सा तो कभी वात्सल्य की झलक दिखलाई। संत पुरंदरदास की एक रचना पर नृत्य करने के बाद महाकाल को समर्पित बंदिश से शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति को खत्म किया।

300 सेकंड तक न तबले से हाथ हटे, न संतूर से: तीसरी प्रस्तुति बनारस घराने के तबला और डोगरा परिवार के संतूर की जुगलबंदी के नाम रही। अमिताभ बच्चन और जाकिर हुसैन के साथ जय हनुमान जैसे लोकप्रिय भजन में संतूर की आवाज से लोहा मनवा चुके पं. राहुल शर्मा ने संतूर पर राग झिंझोटी की धुन पेश की। लगातार 300 सेकेंड तक न तो तबले से हाथ हटे और न ही संतूर से। उनके साथ तबले पर संगत कर रहे बनारस घराने के पं. रामकुमार मिश्र ने बखूबी साथ दिया।

विख्यात संतूर वादक पं. शिव कुमार शर्मा के बेटे पं. राहुल शर्मा ने राग झिंझोटी में आलाप, जोड़ और झाला का वादन कर श्रोताओं को मुग्ध कर दिया। आरोह-अवरोह के बीच ऐसा लगा कि हाथ से तार छूट जाने के बावजूद भी संतूर की मधुर ध्वनि आ रही हो। रूपक ताल में एक और तीन ताल की दो रचनाओं को बजाया। अंत में पहाड़ी धुन के साथ अपनी प्रस्तुति को पूरा किया।

कला दीर्घा में सबसे महंगी सवा तीन और ढाई लाख की पेंटिंग: संगीत समारोह का खास आकर्षण बगीचे की कला दीर्घा रही। यहां पर 400 से ज्यादा अद्भुत तस्वीरें देखने को मिलीं। सबसे महंगी पेंटिंग सवा तीन लाख रुपये की है। इसे स्तुति सिंह ने उकेरा है।

दूसरी सबसे महंगी पेंटिंग 2.50 लाख रुपये की है। इस पेंटिंग में अलग-अलग रंगों से हनुमान जी के कॉस्मिक पॉवर यानी ब्रह्मांडीय शक्ति उकेरी गई थी। आर्टिस्ट अजय उपासनी ने हनुमान जी की ऊर्जा को रंगों में उकेरा था।

संक्षिप्त समाचार

आगरा में दलित युवक की बरात रोकी...बरातियों से मारपीट

आगरा , एजेंसी। आगरा के एत्मादपुर के गढ़ी रामी में दलित युवती की छलेसर के एक मैरिज होम में आ रही बरात को क्षत्रिय समाज के लोगों ने जबरन रोक दिया। आरोप है कि दूल्हे को कॉलर पकड़कर नीचे उतार लिया। सोने की चेन खींच ली, गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से लेस आधा दर्जन लोगों ने मारपीट करना शरू कर दिया। घटना में कुमरपाल व अजय घायल हो गए। सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुंच गई।

गढ़ी रामी (नगला तल्फी) निवासी दलित अनीता देवी की बेटी की बारात मथुरा थाना गोवर्धन के गांव जिखिन से आई थी। आरोप है मैरिज होम में बरात चढ़ने जा रही थी तभी क्षत्रिय समाज के लोगों ने डीजे की तेज आवाज कहकर बरात को रोक दिया। उसके बाद दूल्हे को कालर पकड़कर नीचे उतार लिया। विरोध करने पर बरातियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। बरात में शोर-शराबा सुन गांव के अन्य आधा दर्जन लोग भी लाठी और डंडे लेकर आ गए। मारपीट में बरात पक्ष के दो लोग घायल हुए हैं। जिनका पुलिस द्वारा मेडिकल परीक्षण कराया गया है। दलित युवती की मां अनीता देवी ने थाना एत्मादपुर में अजीत तोमर, अमन तोमर पुत्रगण मनोज तोमर, सौरभ तोमर पुत्र प्रदीप, प्रदीप पुत्र जगदीश तोमर, प्रदीप पुत्र वीरेश, अंकित पुत्र दलवीर संजय पुत्र महावीर, सचिन, अजय व अन्य अज्ञात 20 लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर तहरीर दी है।

आंगनबाड़ी भर्ती: बरेली में रिश्वत लेने का आरोपी सीडीपीओ निलंबित, नौकरी दिलाने के नाम पर महिला से लिए थे रुपये

बरेली , एजेंसी। बरेली में बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) कृष्ण चंद्र को शासन ने बुधवार शाम को निलंबित कर दिया। सीडीपीओ का रुपये लेते हुए वीडियो और शिकायतीपत्र मिलने पर डीएम ने मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) से इसकी जांच कराई। प्रारंभिक जांच में आरोप पुष्ट होने पर सीडीओ ने सीडीपीओ के निलंबन की संस्तुति करते हुए अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी।

जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 301 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों की लिस्ट जारी होने के बाद प्रक्रिया पर सवाल उठने लगे थे। अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक पर आरोप लगाते हुए शिकायतें हुईं। पहले अधिकारियों ने चयन प्रक्रिया को सही बताते हुए पल्ला झाड़ लिया था। इसी बीच में सीडीपीओ कृष्ण चंद्र का आंगनबाड़ी पद पर भर्ती कराने के नाम पर रुपये लेने का मामला डीएम रविंद्र कुमार के पास आया। डीएम ने सीडीओ जगप्रवेश को जांच सौंपी। सीडीओ के मुताबिक, सीडीपीओ कृष्ण चंद्र ने आंगनबाड़ी पद पर चयन करने के लिए रुपये की मांग की थी। 1.65 लाख रुपये में मामला तय हुआ। एक कार में आवेदक वीरवती द्वारा यह धनराशि दे भी दी गई। इसी बीच दूसरी अभ्यर्थी आशा ने सीडीपीओ को ढ़ाई लाख देने की बात कही।

ऐसे में सीडीपीओ ने वीरवती के आवेदन में जान-बूझकर त्रुटि करा दी। इससे वीरवती का आवेदन निरस्त हो गया। ज्यादा रुपये देने वाली आवेदक का इस पद पर चयन हो गया। सीडीओ ने अपनी रिपोर्ट में सीडीपीओ को दोषी पाते हुए निलंबन की संस्तुति की। डीएम ने निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग को पत्र भेजा। इसके बाद निदेशक ने सीडीपीओ निलंबित कर दिया है। सीडीपीओ कृष्ण चंद्र को निलंबित करते हुए निदेशक ने उनको जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय शाहजहांपुर से संबद्ध कर दिया है। साथ ही, आरोपों की जांच के लिए उप निदेशक मुख्यालय को जांच अधिकारी नामित किया है। डीएम रविंद्र कुमार ने बताया कि जनसुनवाई के दौरान शिकायत मिली थी। इसकी जांच कराई गई तो आरोप सही पाए गए। इसके बाद आरोपी अधिकारी के निलंबन की संस्तुति कर जांच रिपोर्ट बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय को भेज दी गई। वहां से अब निलंबन की कार्रवाई करते हुए विभागीय जांच भी शुरू करा दी गई है।

नन्हीं जीवा ने 21 सौ बार राम लिख बनाई हनुमान की पेंटिंग, रिजवान की चित्रकारी ने मोहा

वाराणसी , एजेंसी। संकट मोचन संगीत समारोह की प्रथम निशा पर हर वर्ष की तरह इस बार भी चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में दूर-दराज के साथ स्थानीय चित्रकारों ने भी प्रतिभाग किया। इसमें 11 वर्षीय जीवा ने 21 सौ बार राम-राम लिखकर हनुमान जी की पेंटिंग बनाई है।

जीवा बताती हैं कि दीदी स्नेहा को देखकर मैं आकर्षित हुई। भगवान राम का स्मरण कर पेंटिंग बनाना शुरू किया। मेरा मार्गदर्शन चित्रकार पूनम राय ने किया। नन्हीं जीवा प्रदर्शनी में अपनी पेटिंग देख काफी खुश हैं

इसी तरह स्नेहा ने भी बाल हनुमान के चित्र को उकेरा है। उन्होंने बताया कि इस पेंटिंग को बनाने में करीब 30 मिनट लगे। वे इसलिए काफी खुशी हैं कि पहली बार उन्हें इतने बड़े कायक्रम में

उनकी पेंटिंग को भी हिस्सा दिया गया।

प्रदर्शनी में रिजवान खान ने भी पेंटिंग के माध्यम से हिस्सा लिया। उन्होंने हनुमान जी की पेंटिंग बनाकर नई उपलिब्ध हासिल की है। वे बताते हैं कि कला, संगीत-साहित्य में धर्म और मजहब जैसी चीजें नहीं होती हैं। इस मंच पर आकर सभी धर्म-जाति के लोग सिर्फ एक ही नाम से पुकारे जाते हैं, जिसके कलाकार कहते हैं।

बीआर फाउंडेशन की अध्यक्ष पूनम राय ने जानीं-मानीं चित्रकार हैं। उन्होंने भी अपनी पेंटिंग्स इस प्रदर्शनी में लगाई है। वे बताती हैं कि उन्होंने काफी सम्मान पाए हैं लेकिन हनुमत दरबार में कला के माध्यम से हिस्सा लेना, अपने आप में एक सम्मान हो जाता है। मेरे लिए इससे बढ़ा सम्मान कुछ नहीं।

महिलाओं के सामने स्टंट करने से रोका तो दूसरे समुदाय के युवकों ने किया हमला, घर में घुसकर की मारपीट

बरेली , एजेंसी। बरेली के सिरौली थाना क्षेत्र में खेत से गेहूं कटाई करने आ रही एक परिवार की लड़की, महिलाओं के सामने दूसरे समुदाय के युवकों ने बाइक से स्टंट किया। आरोप है कि परिवार के एक व्यक्ति के टोका तो दूसरे समुदाय के युवकों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों के समझाने के कुछ देर बाद आरोपियों ने करीब 20 लोगों के साथ मिलकर पीड़ित परिवार के घर में घुसकर मारपीट व तोड़फोड़ कर दी। जिससे 10 लोग घायल हो गए। सूचना पर इंस्पेक्टर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल भिजवाया। दो लोगों को बरेली अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने गांव में गश्त बढ़ा दी है। गांव अजमेर के एक व्यक्ति के परिवार की महिलाएं व अन्य सदस्य गेहूं की कटाई कर घर आ रहे थे। तभी दूसरे समुदाय के लड़के बाइक पर स्टंट करते हुए आ रहे थे, जो एक व्यक्ति को देखने में खराब लगा। उन्होंने विरोध किया तो स्टंटबाजों ने उक्त व्यक्ति की पिटाई कर दी। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों के समझाने के बाद आरोपी उस वक्त वहां से चले गए। इसके कुछ देर बाद संबंधित व्यक्ति के यहां दूसरे समुदाय के 20 लोग आ गए। घर में घुसकर पीड़ित परिवार के साथ मारपीट व तोड़फोड़ कर दी। सूचना के बाद इंस्पेक्टर रामरतन सिंह, सीओ मीरगंज अंजनी कुमार तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। हालांकि उससे पहले आरोपी भाग गए। पुलिस ने घायलों को रामनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। इसमें से दो की हालत गंभीर है, जिसको बरेली रेफर कर दिया गया है।

मनचलों की वजह से महिलाएं परेशान: ग्रामीणों का कहना है कि एक समुदाय के कुछ लोगों ने महिलाओं का निकलना मुश्किल कर दिया है। वे आए दिन छेड़खानी करते हैं। इसके विरोध पर वे झगड़ा करने के लिए आमादा हो जाते हैं।

तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी : इंस्पेक्टर: इंस्पेक्टर रामरतन सिंह ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से गांव में गश्त बढ़ा दी गई है। अब तहरीर मिलने के बाद मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। मौके पर पहुंचकर सीओ मीरगंज अंजनी कुमार तिवारी ने भी जांच के निर्देश दिए हैं।

हाथरस जमीन घोटाला... वाराणसी के सीआरओ के खिलाफ चार्जशीट, 23.92 करोड़ का है मामला; चार्जशीट दाखिल

वाराणसी , एजेंसी। नोएडा पुलिस ने 23.92 करोड़ के हाथरस जमीन घोटाले में तत्कालीन तहसीलदार और वर्तमान वाराणसी के मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) अजीत परेश, ओएसडी वीरपाल सिंह के खिलाफ एंटी करप्शन कोर्ट मेरठ में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसमें दोनों अधिकारियों और इनके रिश्तेदारों की भूमिका की पुष्टि की गई है। पुलिस की विवेचना में वीरपाल सिंह के छह रिश्तेदारों व करीबियों पर भी जमीन खरीद-बिक्री के आरोप लगे हैं। इसके मुताबिक, उन्होंने अपने भांजे निर्दोष चौधरी, दामाद नीरज तोमर, साले संजीव, नौकर सत्येंद्र और समधी मदन पाल सिंह, समधी के बेटे अजीत सिंह के नाम से जमीन औने-पौने दाम पर खरीदवाई थी। इस मामले में अब तक 16 आरोपियों के खिलाफ पुलिस आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। इनमें पांच सरकारी अधिकारी हैं। अजीत परेश वर्तमान में वाराणसी में मुख्य राजस्व अधिकारी हैं। वीरपाल सिंह (वीपी सिंह) सेवानिवृत हो चुके हैं। इसके अलावा कई अन्य लोगों के नाम भी जांच में सामने आए हैं। इनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

2019 में बीटा-टू थाने में यमुना विकास प्राधिकरण के तत्कालीन सीईओ पीसी गुप्ता, एसीईओ सतीश कुमार, ओएसडी वीपी सिंह समेत 29 के खिलाफ धोखाधड़ी से लेकर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तक के तहत मुकदमे दर्ज हुए थे।

यह है आरोप: आरोप है कि जब यमुना प्राधिकरण हाथरस की जमीन को विकसित करने के लिए खरीद रहा था, तब प्राधिकरण के अधिकारियों ने मिलीभगत कर अधिग्रहण से पहले अपने परिचितों और रिश्तेदारों के माध्यम से वहां की जमीन किसानों से खरीदी गई थी। इसमें तत्कालीन तहसीलदार अजीत परेश और ओएसडी वीरपाल सिंह की भूमिका थी। 14.5 हेक्टेयर जमीन खरीदी गई थी : पुलिस की जांच में पता चला कि जिस वक्त यमुना प्राधिकरण हाथरस में जमीन का अधिग्रहण कर रहा था उस वक्त योजना के मुताबिक 5 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता थी।

सांप के काटने की झूठी कहानी: पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर गला दबाकर की पति की हत्या, फिर सांप से डसवाया

मेरठ , एजेंसी। मेरठ के बहसूमा में शहर के सौरभ हत्याकांड जैसा ही एक और मामला सामने आया है। यहां पत्नी ने पति की प्रेमी संग मिलकर न सिर्फ हत्या की बल्कि पकड़ी न जा सके इसके लिए सांप के काटने की कहानी गढ़ दी। पुलिस जांच पड़ताल के बाद बुधवार को पूरे मामले का खुलासा कर दिया।

अकरबपुर सादात गांव के अमित कश्यप उर्फ मिक्की (25) की मौत वाइपर सांप के काटने से नहीं हुई थी। अमित की हत्या उसकी पत्नी रविता ने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर की थी।

अमित उर्फ मिक्की के बिस्तर पर बैठा सांप: दोनों आरोपियों ने गला दबाकर पहले हत्या की और फिर वारदात को हादसा दर्शाने के लिए जहरीला सांप उसके बिस्तर पर छोड़ दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि के बाद पुलिस ने बुधवार देर रात दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है।

बहसूमा थाना क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात में अमित उर्फ मिक्की का शव रविवार सुबह उसके बिस्तर पर पड़ा मिला था। अमित

के शव के नीचे एक जिंदा सांप दबा हुआ था। अमित के शरीर पर सांप के डसने के दस निशान थे। जिसे देखकर परिजन ने सांप के दस बार डसने से अमित की मौत का दावा किया था। परिजनों ने सपेरे को बुलाया, जिसने सांप को अमित के शव के पास से पकड़ा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से हुई मौत : बुधवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का अवलोकन करने पर पुलिस को पता चला कि अमित की मौत सांप के डसने से नहीं बल्कि दम घुटने से हुई है। इससे पुलिस को गला दबाकर हत्या का अंदेशा हुआ और गहनता से जांच शुरू की गई। पुलिस ने देर रात अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को हिरासत में लेकर पूछताछ की। शुरुआत में दोनों ने पुलिस को गुमराह किया। पूछताछ के बाद पुलिस ने जानकारी दी कि रविता और अमरदीप ने ही अमित की हत्या की थी।

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड विदित)

पंजीकृत कार्यालय: 6वां तल, बी बिल्डिंग, गंगा टुनो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014,
शाखा कार्यालय: 2बी, 1617, दिल्ली रोड, महाराजा पैलेस के पास, अहमद बाग,
सहारनपुर, उत्तर प्रदेश- 247001

ई-नीलामी बिक्री सूचना
सुरक्षित अचल संपत्ति की बिक्री
सरफैसी अधिनियम के अन्तर्गत

ई-नीलामी बिक्री सूचना सिक्योरिटाइजेशन और वित्तीय संपत्तियों के पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम, 2002 ('अधिनियम') के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 और 9 के साथ सार्वजनिक को और विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ, जो **गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, जिसका नाम 17 नवम्बर 2023 से गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में बदला गया है, और पहले मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था और मूल रूप से GE मनी हाउसिंग फाइनेंस पब्लिक लिमिटेड कंपनी के नाम से स्थापित था)** द्वारा बंधक रखी गई हैं, (जो कि 'सुरक्षित ऋणदाता' के रूप में अधिनियम के तहत संदर्भित किया जाता है), जिनकी कब्जा अधिकारिता सुरक्षित ऋणदाता के अधिकृत अधिकारी द्वारा अधिनियम की धारा 13(12) के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 8 और 9 के साथ प्राप्त की गई है, और अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नोटिस के बाद, उन्हें बेचा जाएगा।

बिक्री के विवरण: सुरक्षित संपत्तियाँ 'जैसा है जहाँ है', 'जैसा है जैसा है', और 'जो कुछ है वही है' के आधार पर 05.05.2025 को ई-नीलामी के माध्यम से बेची जाएँगी। यह सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि बिक्री https://www.bankeauctions.com. वेबसाइट पर प्रदान किए गए ई-नीलामी प्लेटफार्म के माध्यम से की जाएगी।

बिक्री के विस्तृत शर्तों और नियमों के लिए, कृपया GHFL के/सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट पर दिए गए लिंक का संदर्भ लें: www.grihumhousing.com.

क्र. सं.	प्रस्ताव संख्या ग्राहक का नाम [ए]	मांग सूचना की तिथि एवं बकाया राशि [बी]	कब्जे का प्रकार [सी]	सम्पत्ति का विवरण [डी]	आरक्षित मूल्य [ई]	ईएमडी (आरक्षित मूल्य का 10%) [एफ]	ईएमडी प्रस्तुत करने की तिथि [जी]	वृद्धि बोली [ए]	सम्पत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय [आई]	नीलामी की तिथि और समय [जे]	ज्ञात बंधन/कोर्ट मामले यदि कोई हों [के]
1.	ऋण संख्या: LAP05402000000005016270 मोहम्मद शोएब हासमी	सूचना तिथि: 07.08.2024 कुल बकाया: रु. 17,09,612/- (रुपये सत्रह लाख नौ हजार छह सौ बारह मात्र) 07.08.2024 तक भुगतान योग्य, साथ ही 15.50% वार्षिक ब्याज जो वास्तविकता तक लागू होगा।	भौतिक	सम्पत्ति विवरण: पूरा भवन, जो दक्षिणमुखी है, नगर निगम संख्या 11/3435 D/3, क्षेत्रफल 56.00 वर्ग गज, खसरा संख्या 2525, स्थित दारे अली स्वाद, इंद्रा चौक, सहारनपुर। यह सम्पत्ति विशेष रूप से बिक्री विलेख में उल्लिखित है। **चौहद्दी इस प्रकार है:- पूर्व:** अन्य व्यक्ति की सम्पत्ति, **पश्चिम:** अन्य व्यक्ति की सम्पत्ति, **उत्तर:** मदरसा सिद्दीक की सम्पत्ति, **दक्षिण:** 10 फीट चौड़ा मार्ग।	रु. 1650000/- (रुपये सोलह लाख पचास हजार मात्र)	रु. 165000/- (रुपये एक लाख पैंसठ हजार मात्र)	29.04.2025 को सायं 5 बजे से पहले	10,000/-	25.04.2025 को (प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक)	05.05.2025 को (प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	शून्य
2.	ऋण संख्या: HF0540H21100026 सचिन कुमार शर्मा, रुद्रेश कुमार, रेखा शर्मा	सूचना तिथि: 09.07.2024 कुल बकाया: रु. 5,18,660/- (रुपये पांच लाख अठारह हजार छह सौ साठ मात्र) 09.07.2024 तक भुगतान योग्य, साथ ही 16.50% वार्षिक ब्याज जो वास्तविकता तक लागू होगा।	भौतिक	सम्पत्ति विवरण: पूरा उत्तरमुखी दुकान, जिसकी छत के सभी अधिकार सहित, क्षेत्रफल 8.88 वर्ग गज, खसरा संख्या 92, स्थित मोहम्मदपुर माफी, दर आबादी, पश्चिम पंत विहार, सहारनपुर। **चौहद्दी इस प्रकार है: पूर्व:** श्रीमती रेणुका राय की दुकान, **पश्चिम:** अन्य व्यक्ति की दुकान, **उत्तर:** 25 फीट चौड़ा मार्ग, **दक्षिण:** अन्य व्यक्ति की सम्पत्ति।	रु. 600000/- (रुपये छह लाख मात्र)	रु. 60000/- (रुपये साठ हजार मात्र)	29.04.2025 को सायं 5 बजे से पहले	10,000/-	25.04.2025 को (प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक)	05.05.2025 को (प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक)	शून्य

इच्छुक बोलीदाता/खरीदारों को सूचित किया जाता है कि वे सुरक्षित ऋणदाता शाखा और नीलामी संपत्तियों का दौरा करें, और अपनी जांच स्वयं करें तथा अतिरिक्त शुल्क, बकाया राशि, और किसी भी तीसरे पक्ष के हितों को स्पष्ट कर लें। उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे नीलामी प्रक्रिया से पहले इन सभी पहलुओं से संतुष्ट हैं। संपत्ति से संबंधित सभी कानूनी देनदारियाँ जैसे संपत्ति कर, बिजली/पानी के बिल और अन्य बकाया राशि, यदि कोई हो, को सफल बोलीदाता द्वारा अदा किया जाएगा।

नीलामी प्रक्रिया के लिए आवश्यक पंजीकरण: इच्छुक बोलीदाता को पंजीकरण पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना अनिवार्य है और इसके लिए वे लॉगिन आईडी और पासवर्ड एडवांस में प्राप्त करेंगे, जो ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आवश्यक है। पंजीकरण करने के लिए बोलीदाता को नीलामी सेवा प्रदाता C1 India Pvt Ltd से संपर्क करना होगा। सेवा प्रदाता का संपर्क विवरण: पता: प्लॉट नं 68, तीसरी मंजिल, गुड़गांव, हरियाणा-122003, हेल्पलाइन नंबर: 7291981124, 25, 26, ईमेल: Support@bankeauctions.com **सम्पर्क व्यक्ति: धरणी पी, ईमेल: dharani.p@c1india.com सम्पर्क नम्बर: 9948182222** । कृपया ध्यान दें कि संभावित बोलीदाता केवल उनसे ई-नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेज और पंजीकरण: इच्छुक खरीदार/बोलीदाता को गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के खाता में एर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (EMD) का भुगतान करना होगा। यह भुगतान NEFT/RTGS/DD के माध्यम से ICICI बैंक में किया जाएगा: बैंक: ICICI बैंक लिमिटेड, खाता नम्बर: 000651000460, IFSC कोड: ICIC0000006, पता: 20, R.N. मुखर्जी रोड, कोलकाता-700001, भुगतान की अंतिम तिथि: 29.03.2025 साथ ही, इच्छुक बोलीदाता को https://www.bankeauctions.com पर अपना नाम पंजीकृत कराना होगा और मुफ्त में उपयोगकर्ता आईडी और पासवर्ड प्राप्त करना होगा। बोलीदाता को सेवा प्रदाता से ई-नीलामी पर प्रशिक्षण भी प्राप्त करना होगा। पंजीकरण के बाद, बोलीदाता को निम्नलिखित दस्तावेजों की प्रति अपलोड करनी होगी और स्वयं प्रमाणित हार्ड कॉपी को निम्नलिखित पते पर भेजना होगा: **पता: 2B, 1617, दिल्ली रोड, महाराजा पैलेस के पास, अहमद बाग, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश- 247001, मोबाइल नम्बर: +91 9657443073, ईमेल आईडी: rohan.savala@grihumhousing.com, अधिक जानकारी के लिए: नीलामी के शर्तों और नियमों के लिए, कृपया निम्नलिखित वेबसाइट पर जाएं: https://www.bankeauctions.com एवं www.grihumhousing.com पर जाएं और ई-नीलामी में भाग लें।**

यह सूचना 30 दिन का नोटिस के रूप में माना जाए, जैसा कि सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम-2002 के नियम 8(6) के तहत उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता/ बंधककर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को दिया गया है।

तिथि: 18.04.2025 स्थान: सहारनपुर **हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड विदित)**